00048

DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION (DPE)

Term-End Examination

June, 2013

ES-222 : EDUCATION IN EMERGING INDIAN SOCIETY

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***
(ii) ***All*** *questions carry* ***equal weightage.***

Answer the following questions ***1*** and ***2*** in about ***600*** words each.

1. Explain the various measures to minimise educational wastage and stagnation at the primary level.

OR

Discuss major issues related to quality of elementary education in India, with suitable examples.

2. Discuss briefly the present position of illiteracy in India. Describe various steps taken by the Govt. of India to remove the problem of illiteracy

OR

Enumerate characteristics of a good curriculum.

3. Answer ***any four*** of the following questions in about ***150*** words each :

(a) What is the meaning of Equalisation of Educational Opportunities ? Discuss it with special reference to the constitution of India.

(b) What is the importance of parental cooperation in the development of the child ? Describe these influences highlighted by the International Bureau of Education (UNESCO).

(c) Explain the concept of the 'Minimum Levels of Learning' (MLL).

(d) Explain the concept and scope of school Mapping.

(e) Mention the Articles in the Constitution of India that deal with the medium of instruction. What do they prescribe ? Explain briefly.

(f) Describe the strategies that should be employed to combat communalism.

4. Answer the following question in about ***600*** words.

"There is enough to meet everyone's needs but not enough to meet anyone's greed". Justify the statement and suggest remedial measures to combat irrational use of natural resources.

ई.एस.-222/ई.एस.-222 (संशोधित)

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा

(डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ई.एस.-222 : उभरते भारतीय समाज में शिक्षा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता समान है।*

निम्नलिखित प्रश्नों (प्रश्न संख्या *1* व 2) में से प्रत्येक का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

1. प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक अपव्यय और अप्रवाह को कम करने के लिए विभिन्न उपायों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

भारत में प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता से सम्बन्धित प्रमुख समस्याओं की उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए।

2. भारत में निरक्षरता की वर्तमान स्थिति की संक्षेप में चर्चा कीजिए। निरक्षरता की समस्या को दूर करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाये गये विभिन्न कदमों का वर्णन कीजिए।

अथवा

एक अच्छी पाठ्यचर्या की विशेषतायें बताइये।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए।

(a) शैक्षिक अवसरों की समानता से क्या अभिप्राय है। भारतीय संविधान के विशेष सन्दर्भ में इसकी विवेचना कीजिए।

(b) बाल-विकास में मातृ-पित्रीय सहयोग का क्या महत्व है? अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक ब्यूरो (यूनेस्को) द्वारा विशेष बल दिये गये इन प्रभावों का वर्णन कीजिए।

(c) 'न्यूनतम अधिगम स्तर' (एम.एल.एल.) के सम्प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

(d) विद्यालय-मैपिंग की अवधारणा एवं इसके विषय क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

(e) भारतीय संविधान के उन अनुच्छेदों का उल्लेख कीजिए जिनका सम्बन्ध शिक्षण माध्यम से है। वे क्या निर्धारित करते हैं? संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

(f) उन रणनीतियों (योजनाओं) का वर्णन कीजिए जिनका प्रयोग साम्प्रदायिकता का सामना (विरोध) करने के लिए किया जाना चाहिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

''प्रत्येक व्यक्ति की जरुरतों के लिए पर्याप्त है परन्तु किसी के लोभ के लिए पर्याप्त नहीं है।'' इस कथन को उचित ठहराते हुए और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकहीन प्रयोग का विरोध (सामना) करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाइये।

ई.एस.-222/ई.एस.-222 (संशोधित)

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा

(डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ई.एस.-222 (संशोधित) : समकालीन भारतीय समाज में शिक्षा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** चार प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

1. समकालीन भारतीय समाज में परिलक्षीत समस्याओं और विषयों पर चर्चा कीजिए। समकालीन भारतीय समाज में परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आर.टी.ई.) की भूमिका पर विचार कीजिए।

अथवा

शिक्षा का अधिकार अधिनियम का इतिहास एवं प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम विद्यालयों में प्रभावी अधिगम वातावरण को कैसे बना सकेगा, स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

आज के संदर्भ में शिक्षा की अवधारणा को समझाइए। शिक्षा के सामाजिक तथा व्यक्तिगत उद्देश्यों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शिक्षा की औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों में अंतर स्पष्ट कीजिए। परिवार एवं समुदाय अपने शैक्षिक प्रकार्य कैसे निष्पादित करते हैं? चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग ***150*** शब्द प्रति में दीजिए।

   (a) शिक्षा राष्ट्रीय विकास में कैसे सहायता करती है? चर्चा कीजिए।

   (b) अन्तर्राष्ट्रीय आयोग द्वारा दी गई शिक्षा की रिपोर्ट में दर्शाए गए चार स्तंभ के लक्षणों का विवेचन कीजिए।

   (c) विद्यालय-समुदाय संबंध की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

   (d) समावेशी शिक्षा का अभिप्राय और महत्व का विवेचन कीजिए।

   (e) समाज के कमज़ोर वर्गों की शिक्षा के लिए भारत सरकार के द्वारा किए गए शैक्षिक अन्त:क्षेपों की सूची दीजिए।

   (f) मानसिक रूप से मंद बच्चों में पाए गए लक्षणों की सूची दीजिए। इन बच्चों के लिए विभिन्न युक्तियों का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

   ग्राम शिक्षा समिति के आवश्यकता और महत्व का वर्णन कीजिए। ग्रामीण विद्यालय प्रणाली की प्रगति में ग्राम शिक्षा समिति की भूमिका की व्याख्या कीजिए।